**Seventeenth Loksabha**

an>

Title : Issue regarding problems faced by Pal community due to decrease of sheep wool prices and import of cheap wool by China.

**श्री रितेश पाण्डेय (अम्बेडकर नगर):** आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मेरे संसदीय क्षेत्र अम्बेडकर नगर में हजारों की संख्या में गड़रिया समाज यानी पाल समाज के लोग रहते हैं । वर्ष 2005 में इनका ऊन 40-45 रुपये प्रति किलोग्राम बिकता था, लेकिन पिछले 10-15 वर्षों से चीन से सस्ता सिंथेटिक फाइबर इम्पोर्ट होने के कारण, अब इन लोगों का ऊन किसी भी दाम पर नहीं बिक रहा है । अब इन लोगों की यह स्थिति हो गई है कि एक समय इनका ऊन इनको सम्मानित आय देता था, आज वह फेंका जाता है या जलाया जाता है ।

मान्यवर, यह स्थिति सिर्फ मेरे क्षेत्र अम्बेडकर नगर की नहीं है, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश, गुजरात, बिहार और महाराष्ट्र की भी है । मेरा आपके माध्यम से वस्त्र मंत्री जी से निवेदन है कि इस मामले की तह तक जाएं और इन गड़रिया, पाल समाज के लोगों के ऊन का उचित दाम मिले, इसके लिए पूरा सहयोग करने का काम करें ।

महोदय, मेरा आपके माध्यम से उद्यमशील मंत्री से अनुरोध है कि गड़ेरिया समाज, यानी पाल समाज के लोगों को और अधिक प्रगतिशील बनाने के लिए किसी एक दिशा में कार्य करने का काम करें, पॉलिसी बनाने का काम करें ।

**माननीय अध्यक्ष :**

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री रितेश पाण्डेय द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।